राम जी की सवारी | By Shivam |

सियापति राम चंद्र की जय..........

राम लखन जानकी, जय बोलो हनुमान की
जय बोलो हनुमान की, राम लखन जानकी

सबके चेहरे पे खुशियां छा गई रे
आ गई सवारी देखो आ गई रे
देखो राम की सवारी आ गई रे
देखो राम की सवारी ....

धीरे से लेके चलो रे कहारों
राम जी बिराजे हैं थोड़ा विचारो
नज़र सभी की प्रभु राम पे टिकी है
रघुराई दाता सा कोई नहीं है
मूरत ये दिल भरमा गई रे
मूरत ये दिल भरमा गई रे
देखो राम की सवारी आ गई रे
देखो राम की सवारी ....

राम लखन जानकी और हनुमान हैं
सेवक निराले जो बड़े बलवान हैं
वन से लौटे वचन को निभा के ये आये
रावण को मारा लंका जीत के हैं आये
देखो सबने दिवाली मनाई रे
देखो सबने दिवाली मनाई रे
देखो राम की सवारी आ गई रे
देखो राम की सवारी ....

गूँज रहे जयकारे आज तो अवध में
उत्सव मनाते भक्त आज तो अवध में
सबने सवारी के दर्शन हैं पाए
जन्मो के पाप उनके राम ने मिटाये
पावन है बेला मन भा गई रे
पावन है बेला मन भा गई रे
देखो राम की सवारी आ गई रे
देखो राम की सवारी ....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%b8%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-shivam-2/